ई-न्यूज
24 न्यूज अपडेट
WebSite.: https://24newsupdate.in
उदयपुर, गुरूवार 28 नवम्बर 2024
Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com
वर्ष 1 अंक 265

मोदी को धमकी मामला, 34 साल की महिला हिरासत में:मानसिक रूप से अस्थिर निकली; मुंबई पुलिस के कंट्रोल रूप में फोन आया था



24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गुरुवार को जान से मारने की धमकी दी गई। मुंबई पुलिस के कंट्रोल रूम में धमकीभरा फोन आया था। मामले में पुलिस ने एक 34 साल की महिला को हिरासत में लिया। पूछताछ में पता चला कि महिला मानसिक रूप से अस्थिर है। उसने शरारत में फोन किया था। महिला का कोई क्रिमिनल रिकॉर्ड भी नहीं है। मामले की जांच जारी है।

मोदी को 6 साल में तीन धमकियां मिलीं

2023: हरियाणा के एक शख्स ने वीडियो वायरल करते हुए मोदी को गोली मारने की धमकी दी थी। वीडियो में युवक ने खुद को हरियाणा का बदमाश और गांव मोहाना, सोनीपत का रहने वाला बताया था। वीडियो में उसने कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी मेरे सामने आ जाएं तो मैं गोली मार दूंगा।

2022: PM मोदी को जेवियर नाम के एक शख्स ने धमकी दी थी। जेवियर ने केरल भाजपा अध्यक्ष के. सुरेंद्रन को भेजे खत में जान से मारने की धमकी देते हुए लिखा था- मोदी का हाल राजीव गांधी जैसा होगा। उस वक्त PM केरल दौरे पर जा रहे थे। बाद में पुलिस ने धमकी देने वाले को अरेस्ट कर लिया था।

2018: महाराष्ट्र के मोहम्मद अलाउद्दीन खान नाम के शख्स ने फेसबुक पेज पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जो जान से मारने की धमकी दी थी। उसने खुद को आतंकी संगठन जैश-ए -मोहम्मद का सदस्य बताते हुए देश के पांच प्रमुख शहरों में विस्फोट करने की बात कही थी। शख्स ने प्रतिबंधित संगठन ISIS के झंडे की फोटो भी डाली थी।

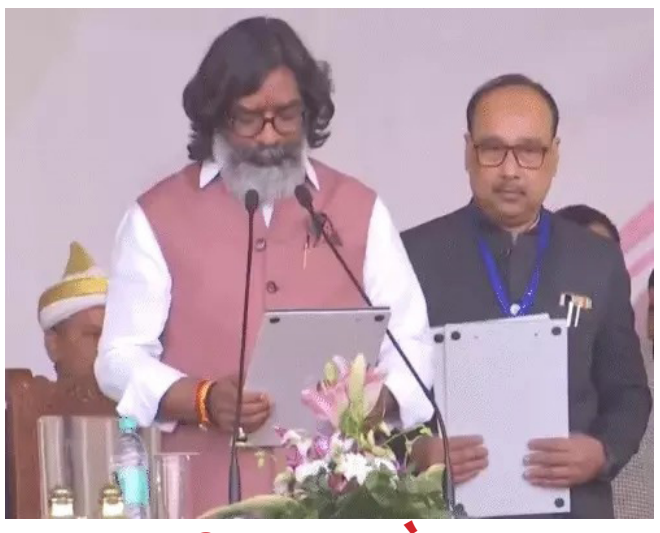
SPG के कंधों पर प्रधानमंत्री की सुरक्षा का जिम्मा

देश के प्रधानमंत्री की सुरक्षा की जिम्मेदारी स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप यानी SPG की होती है। प्रधानमंत्री के चारों ओर पहला सुरक्षा घेरा SPG जवानों का ही होता है। PM की सुरक्षा में लगे इन जवानों को अमेरिका की सीक्रेट सर्विस की गाइडलाइंस के मुताबिक ट्रेनिंग दी जाती है। इनके पास MNF-2000 असॉल्ट राइफल, ऑटोमेटिक गन और 17 एम रिवॉल्वर जैसे मॉडर्न हथियार होते हैं।

प्रधानमंत्री के दौरे का प्रोटोकॉल क्या होता है

किसी राज्य में PM के दौरे के समय 4 एजेंसियां सुरक्षा व्यवस्था देखती हैं- SPG, ASL, राज्य पुलिस और स्थानीय प्रशासन। एडवांस सिक्योरिटी संपर्क टीम (ASL) प्रधानमंत्री के दौरे से जुड़ी हर जानकारी से अपडेट होती है। ASL टीम केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारी के संपर्क में होती है। केंद्रीय एजेंसियों के अधिकारी ASL की मदद प्रधानमंत्री के दौरे की निगरानी रखते हैं। स्थानीय पुलिस PM के दौरे के समय रूट से लेकर कार्यक्रम स्थल की सुरक्षा संबंधी नियम तय करती है। आखिरकार पुलिस के निर्णय की निगरानी SPG अधिकारी ही करते हैं। केंद्रीय एजेंसी ASL प्रधानमंत्री के कार्यक्रम स्थल और रूट की सुरक्षा जांच करता है। इसके साथ ही SPG PM के करीब आने वाले लोगों की तलाशी और प्रधानमंत्री के आसपास की सुरक्षा को देखता है। स्थानीय प्रशासन पुलिस के साथ मिलकर काम करते हैं।

हेमंत सोरेन चौथी बार झारखंड के सीएम बने:अकेले शपथ ली, मंच पर राहुल, केजरीवाल, ममता समेत INDIA की 10 पार्टियों के नेता मौजूद रहे



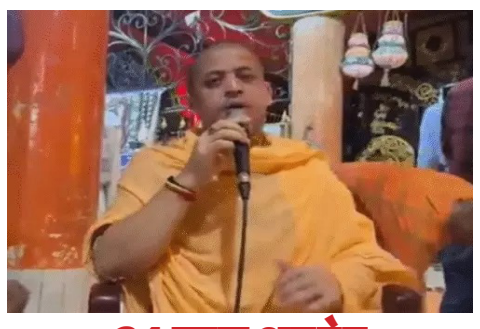
24 न्यूज अपडेट

रांची. JMM लीडर हेमंत सोरेन चौथी बार झारखंड के सीएम बन गए। उन्हें गुरुवार को रांची के मोरहाबादी मैदान में गवर्नर संतोष गंगवार ने शपथ दिलाई। मंत्रिमंडल का विस्तार बाद में किया जाएगा। समारोह में INDIA की 10 पार्टियों के 18 बड़े नेता शामिल हुए। इनमें राहुल गांधी, प. बंगाल की सीएम ममता बनर्जी और सपा प्रमुख अखिलेश यादव और आरजेडी के तेजस्वी यादव मौजूद रहे।

हेमंत पिता शिबू सोरेन को हाथ पकड़कर मंच तक ले गए

दोपहर 3 बजे हेमंत सोरेन अपने पिता शिबू सोरेन को हाथ पकड़कर समारोह स्थल ले गए। शपथ से पहले हेमंत ने कहा, 'आज का दिन ऐतिहासिक होगा। हमारी एकता ही हमारा सबसे बड़ा हथियार है। हमें न विभाजित किया जा सकता है, न ही शांत किया जा सकता है। हम झारखंडी हैं और झारखंडी झुकते नहीं हैं। शपथ ग्रहण समारोह के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सिदो- कान्हू उद्यान में अमर वीर शहीद सिदो- कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। उनके साथ उनकी पत्नी कल्पना सोरेन भी थीं। वहीं, बोकारो के चंदनकियारी के अग्निवीर जवान अर्जुन महतो के शहीद होने पर उनके भाई बलराम महतो को नियुक्ति पत्र दिया। 23 नवंबर को आए चुनावी नतीजे में JMM लीड INDIA ब्लॉक ने 81 में से 56 सीटों पर जीत दर्ज की है। इसमें JMM 34, कांग्रेस 16, राजद 4 और माले की दो सीट है।

बांग्लादेश इस्कॉन ने चिन्मय प्रभु को सभी पदों से हटाया:अनुशासनहीनता के आरोप लगाए

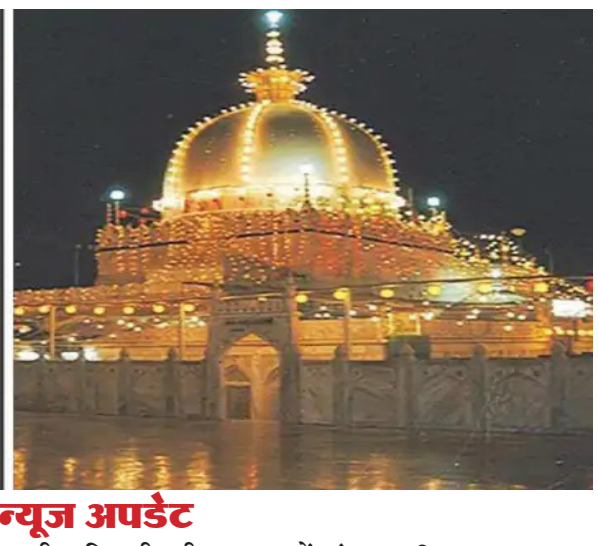


24 न्यूज अपडेट

ढाका. बांग्लादेश इस्कॉन ने गुरुवार को चिन्मय प्रभु को सभी पदों से हटा दिया। संगठन के जनरल सेक्रेटरी चारू चंद्र दास ब्रह्मचारी ने अनुशासनहीनता का आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी गतिविधियों को इस्कॉन से कोई ताल्लुक नहीं है। दास ने यह भी बताया कि चिन्मय की गिरफ्तारी के लिए हुए प्रदर्शनों में वकील सैफुल इस्लाम अलिफ की मौत से भी उनके संगठन का कोई ताल्लुक नहीं है। उन्होंने कहा- बांग्लादेश के प्रदर्शनों में हमारा कोई रोल नहीं है। हमें बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। रोड एक्सीडेंट में हो रही मौत को भी हमसे जोड़ दिया जा रहा है। इससे पहले दोपहर में ढाका हाईकोर्ट ने इस्कॉन पर बैन लगाने की मांग को खारिज कर दिया। अदालत में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने कहा कि इस्कॉन की गतिविधियों के खिलाफ हमने जरूरी कदम उठाए हैं। यह मुद्दा सरकार की प्राथमिकता है। सरकार ने कहा कि इस्कॉन के मामले में अभी तक 3 केस दर्ज किए गए हैं और 33 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सेना को देश में किसी भी तरह की अशांति को रोकने के लिए तैनात किया गया है। इससे पहले दोपहर में ढाका हाईकोर्ट ने इस्कॉन पर बैन लगाने की मांग को खारिज कर दिया। अदालत में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने कहा कि इस्कॉन की गतिविधियों के खिलाफ हमने जरूरी कदम उठाए हैं। यह मुद्दा सरकार की प्राथमिकता है। सरकार ने कहा कि इस्कॉन के मामले में अभी तक 3 केस दर्ज किए गए हैं और 33 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सेना को देश में किसी भी तरह की अशांति को रोकने के लिए तैनात किया गया है। सुनवाई के दौरान याचिका दायर करने वाले वकील ने कहा- इस पर कोर्ट ने कहा कि यह सरकार तय करेगी। दरअसल, इस्कॉन मंदिर के प्रमुख चिन्मय कृष्ण दास प्रभु की राजद्रोह में गिरफ्तारी के बाद वहां संगठन को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। दास को जेल भेजे जाने के बाद बांग्लादेश में कई जगहों पर हिंसा हुई है। साथ ही इससे बांग्लादेश और भारत सरकार के रिश्तों में भी दरार आई है।

अजमेर दरगाह में मंदिर होने के 3 आधार पेश किए:हाईकोर्ट के जज की किताब का हवाला; वंशज बोले- ऐसी हरकतें देश के लिए खतरा





24 न्यूज अपडेट

अजमेर की ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह में संकट मोचन महादेव मंदिर होने का दावा किया गया है। अजमेर सिविल कोर्ट में लगाई गई याचिका को कोर्ट ने सुनने योग्य मानते हुए सुनवाई की अगली तारीख 20 दिसंबर तय की है। याचिका दायर करने वाले हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता ने मुख्य रूप से 3 आधार बताए हैं।

याचिकाकर्ता बोला- तथ्य साबित करते हैं कि दरगाह की जगह पहले मंदिर था

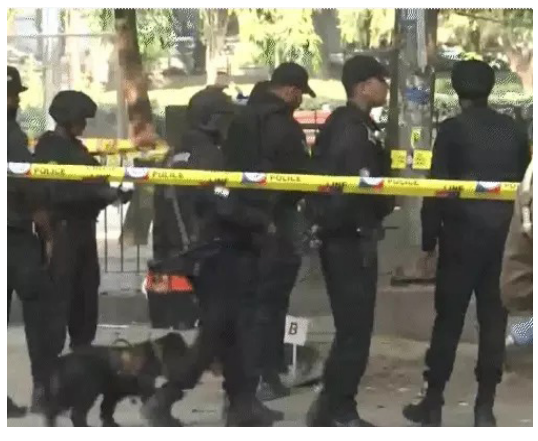
उन्होंने कहा कि 2 साल की रिसर्च और रिटायर्ड जज हरबिलास शारदा की किताब में दिए गए तथ्यों के आधार पर याचिका दायर की है। किताब में इसका जिक्र है कि यहां ब्राह्मण दंपती रहते थे और दरगाह स्थल पर बने महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना करते थे। इसके अलावा कई अन्य तथ्य हैं, जो साबित करते हैं कि दरगाह से पहले यहां शिव मंदिर रहा था।

20 दिसंबर तक पक्ष रखने के लिए उपस्थित होना है

कोर्ट ने अल्पसंख्यक मंत्रालय, दरगाह कमेटी और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग (ASI) को नोटिस जारी किया है। 20 दिसंबर को उन्हें अपना पक्ष लेकर उपस्थित होना है।

इस मामले को लेकर अजमेर दरगाह प्रमुख उत्तराधिकारी और ख्वाजा साहब के वंशज नसरुद्दीन चिश्ती ने अपना पक्ष रखा है। उन्होंने कहा- ऐसी हरकतें देश की एकता के लिए खतरा हैं। यहां तो हिंदू राजाओं ने भी अकीदत की है। दरगाह में मौजूद कटहरा जयपुर के महाराजा ने भेंट किया है। 1950 के सर्वे में स्पष्ट हो चुका है कि दरगाह में कोई हिंदू मंदिर नहीं था।

दिल्ली के प्रशांत विहार में धमाका, एक शख्स घायल:फोरेंसिक-NSG की टीम पहुंची; मौके पर सफेद पाउडर जैसी चीज मिली



24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली. दिल्ली के रोहिणी में प्रशांत विहार इलाके में पीवीआर मल्टीप्लेक्स के पास गुरूवार की सुबह 11.48 बजे गुरुवार को धमाका हुआ। घटना में एक शख्स घायल हो गया। नेशनल सिक्योरिटी गार्ड (NSG) और फोरेंसिक टीम जांच के लिए पहुंची है। इसके अलावा जांच के लिए बम निरोधक दस्ता के अधिकारी भी पहुंचे है। धमाका के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

फायर सर्विस के मुताबिक, उनके पास विस्फोट से जुड़ा एक कॉल आया। इसके बाद फायर ब्रिगेड की 4 गाड़ियां मौके पर पहुंची। यह धमाका पार्क की बाउंड्री वॉल के पास हुआ। बताया जा रहा है कि मौके पर सफेद पाउडर जैसी चीज बिखरी हुई मिली है। प्रशांत विहार में यह दूसरी ऐसी घटना है। इससे पहले 20 अक्टूबर को सीआरपीएफ पब्लिक स्कूल के पास भी इसी तरह का विस्फोट हुआ था।

संपादकीय : मतदान पर मंथन

मतपत्रों के इस्तेमाल की मांग को जिन तक के आधार पर सुप्रीम कोर्ट ने खारिज किया है, वे गौर करने लायक हैं। ईवीएम को खारिज कर पुरानी प्रणाली की ओर लौटने की मांग उठी है और महाराष्ट्र चुनाव में कुछ घटनाओं का जिक्र कर सवाल उठाए गए हैं, लेकिन झारखंड के नतीजों का तर्क सामने आते ही वे बेमानी हो गए। दरअसल, अब तक ऐसा अकाट्य प्रमाण सामने नहीं लाया जा सका है, जिससे कहा जा सके कि वर्तमान प्रणाली किसी अपूरणीय कमी से ग्रस्त है और बड़े बदलाव की जरूरत है। इससे पहले भी शीर्ष अदालत ने ईवीएम (इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन) के माध्यम से डाले गए मतों के सौ फीसद सत्यापन की मांग को ठुकरा दिया था। अदालत ने तब ही स्पष्ट कर दिया था कि मतपत्रों की ओर लौटना वास्तव में प्रतिगामी होगा और चुनाव प्रक्रिया में मतपत्रों से जुड़ी जो गड़बड़ियां खत्म की जा चुकी हैं, वे दोबारा सामने आ जाएंगी। भारतीय लोकतंत्र इस बात का साक्षी रहा है कि हमेशा लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग सूझबूझ और विवेक के साथ किया है। उदाहरण के लिए, कई राज्यों में बार- बार देखा गया है कि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए लोग अलग-अलग राजनीतिक दलों के लिए मतदान करते हैं, भले ही चुनाव एक साथ ही क्यों न हों। ऐसे में सवाल क्यों उठ रहे हैं । यहीं सरकारी संस्थानों की शुचिता की बात आ जाती है। अक्सर चुनाव आयोग पर सवाल उठे। विपक्ष की शिकायतों पर सुनवाई करने के नाम पर साफ दिखा कि प्रक्रिया का पालन तो किया गया, लेकिन मुद्दों को लेकर गंभीरता कम रही। विपक्ष को मौका मिला आयोग पर सवाल उठाने का, जिससे शक बढ़ा। मतदान के आंकड़ों में बार-बार बदलाव, मतदान के दिन कई शिकायतों को ठंडे बस्ते में डाल दिए जाने की खबरों से संदेह तो बढ़ा ही । इस बार महाराष्ट्र में ईवीएम के 90 फीसद चार्ज रहने का मुद्दा विपक्ष ने उठाया । यह मुद्दा राजनीतिक बयानबाजी तक सीमित रह गया। दरअसल, चुनाव आयोग हर बार तकनीकी पक्ष को लेकर बयान दे देता है। आयोग का कहना है कि ईवीएम को विश्वसनीय बनाने के लिए अनेक उपाय किए गए हैं। दावों-प्रतिदावों को छोड़ उचित यह होगा कि विपक्ष ईवीएम में हेरफेर के बारे में अपनी पुरानी बयानबाजी छोड़ दे और उन संभावित राजनीतिक कारणों पर विचार करे जो उसकी चुनावी हार का कारण बन रहे हैं। चुनाव सुधारों पर बात होनी चाहिए, जो सतत प्रक्रिया है । इसमें सभी राजनीतिक दलों की भागीदारी होनी चाहिए। किसी भी राजनीतिक दल या गठबंधन को अपने मुद्दे तय करने, उनको लेकर जनता में जाने की जरूरत होती है। लोकतांत्रिक प्रक्रिया में जनता के बीच जाना मुख्य शर्त है। दूसरे, सुप्रीम कोर्ट या निर्वाचन आयोग मतपत्रों से चुनाव की बात मौजूदा वक्त में स्वीकार नहीं करेगा, यह जाहिर है। हालांकि दुनिया के कई देशों ने ईवीएम से किनारा कर लिया है। लेकिन भारत अभी बाकी दुनिया की राह पर नहीं चलना चाहता । समय और संसाधन की बचत जैसे तर्क ईवीएम के पक्ष में दिए जाते हैं। ऐसे में यह विचारणीय मुद्दा खड़ा हो जाता है कि समय और संसाधन बचाते हुए हम लोकतांत्रिक व्यवस्था से जुड़े कुछ सवालों की अनदेखी तो नहीं कर रहे ?

अनहोनी की आहट

जलवायु संकट के प्रतिकूल नतीजे दुनिया भर में दिखने लगे हैं। कहीं समुद्र का जल स्तर बढ़ रहा है, तो कहीं फसलें सूखे की मार झेल रही हैं। हिमनदों के पिघलने और चक्रवाती हवाओं से मनुष्यों के सामने अस्तित्व का संकट गहराने लगा है। दुनियाभर में और खासकर भारत में जिस तरह मौसम का मिजाज बिगड़ा है, यह जलवायु संकट के गंभीर होने का संकेत है। पिछले एक दशक से भी अधिक समय में हिमालयी क्षेत्र में हिमनदों और झीलों का क्षेत्रफल बढ़ना खतरे की घंटी है। क्या हम फिर केदारनाथ जैसी किसी त्रासदी की प्रतीक्षा कर रहे हैं ? भूस्खलन और बाढ़ जैसी आपदाओं का खतरा पहले से ही है। लिहाजा हिमनदों और झीलों के विस्तार को गंभीरता से लेना होगा, क्योंकि इससे न केवल ब्रह्मपुत्र और गंगा जैसी नदियों में पानी की मात्रा पर असर पड़ेगा, बल्कि जैव विविधता के साथ जन- जीवन भी व्यापक रूप से प्रभावित होगा। केंद्रीय जल आवेग की रपट को संज्ञान में लेते हुए राष्ट्रीय हरित पंचाट का केंद्र सरकार को नोटिस सजग करने के लिए ही है। इससे समय रहते हिमनदों को संभालने और नदियों के प्रबंधन की दिशा में कार्य शुरू होगा। हालांकि इसके लिए अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय सहयोग की आवश्यकता होगी। केंद्रीय जल आयोग की रपट ने संभावित प्राकृतिक आपदा की तस्वीर सामने रखी है और इससे आंखें मूंदे नहीं रहा जा सकता । हिमनदों और झीलों के फटने से बाढ़ का अंदेशा तो है ही, और अगर ऐसा हुआ तो निचले इलाके में रहने वाले लाखों लोगों और जैव-विविधता के लिए यह भयावह होगा। भारत में जिन 67 झीलों की पहचान हुई है, उनके क्षेत्रफल में 40 फीसद की वृद्धि चिंता का विषय है क्योंकि हिमाचल, लद्दाख और उत्तराखंड जैसे राज्यों में यह विस्तार जोखिम बढ़ा सकता है। इन सभी परिस्थितियों के लिए कहीं न कहीं हम सभी दोषी हैं। हिमनदों का पिघलना कोई एक दिन में नहीं हुआ कार्बन उत्सर्जन को रोक पाने में नाकामी तो है ही, वहीं जलवायु संकट पर उपेक्षा का भाव भी कम जिम्मेदार नहीं। ऐसे में पूर्व चेतावनी प्रणाली बनाने के साथ आपदा प्रबंधन पर ठोस कार्य करने की भी जरूरत है।

सिटी पैलस मार्ग पर लौटी रौनक, शाम को लक्ष्यराज सिंह ने खोले गेट



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर के सिटी पैलेस मार्ग पर तीन दिन बाद आज चहल पहल देखने को मिली। आज यहां बाजार भी खुल गए हैं। स्थित पूरी तरह से सामान्य हो गई है। आपको बता दें कि नए महाराणा विश्वराजसिंह के धुणी दर्शन को लेकर भारी विवाद हो गया था जिसके बाद से ये पूरा इलाका छावनी में तब्दील कर दिया गया था। कल जो बेरिकेड लगाए गए थे वे भी आज हटा लिए गए है। जगदीश चौक से रंग निवास तक का मार्ग भी आज चालू हो गया है। इसके साथ ही पर्यटकों की भी आवाजाही शुरू हो गई है। इधर शाम को लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने खुद पहल करते हुए सिटी पैलेस के तीन दिन से बंद दरवाजें खोल दिये जिससे पैलेस की रौनक लौट आई और पर्यटकों को भी राहत मिली ।

प्रशासन ने सिटी पैलेस क्षेत्र से हटाई धारा 163

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 28 नवम्बर। जिला मजिस्टेट अरविन्द पोसवाल ने एक आदेश जारी कर शहर के सिटी पैलेस क्षेत्र में लागू भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश को प्रत्याहरित कर लिया है। जारी आदेश के अनुसार संबंधित क्षेत्र में कानून व्यवस्था बहाल होने एवं परिशांति कायम होने से पूर्व जारी प्रतिबंधात्मक आदेश को त्वरित प्रभाव से प्रत्याहरित किया गया है। उल्लेखनीय है कि पूर्व राजपरिवार के सदस्यों के बीच धूणी माता मंदिर में दर्शन को लेकर उपज विवाद के चलते कानून व्यवस्था बिगड़ने की संभावना के मद्देनजर जिला मजिस्टेट ने 26 नवम्बर को प्रतिबंधात्मक प्रावधान लागू किए थे।

मेडिकल कॉलेज के स्टूडेंट भिड़े, एक घायल



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट.डूंगरपुर। डूंगरपुर मेडिकल कॉलेज में आज हंगामा हो गया। सेकेंड ईयर में पढ़ने वाले स्टूडेंट के बीच झगड़ा हुआ जिसमें स्टील की रोड और कड़े से हमल में एक स्टूडेंट गंभीर घायल हो गया। उसको आईसीयू में भर्ती करवाया गया। सिर में 4 टांके आए हैं। बताया गया कि संजय कुमार सैन (22) कॉलेज के बाहर एक निजी हॉस्टल में रहता है। 2 दिन पहले सेकेंड ईयर में पढ़ने वाले स्टूडेंट ने उसको हॉस्टल में ही रुकने की धमकी दी। भावेश चौधरी साथियों के साथ हॉस्टल में आया और हॉस्टल की छत पर चलने के लिए कहा। उसने मना कर दिया। इस पर मारपीट कर दी। सीनियर स्टूडेंट ने बीच बचाव कर छुड़वाया। संजय ने बताया कि मारपीट की वजह से वह डर गया। कॉलेज से वापस आने के बाद दोस्त के साथ कॉलेज के हॉस्टल में रुक गया। मंगलवार रात 11 बजे बाद बिजली गुल होने पर सेकेंड ईयर के साथी मोनिका चौधरी, तुषार चौधरी, रोहित चौधरी और धीरज चौधरी आए। उन्होंने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। सिर पर स्टील की रोड और कड़े से हमला किया। खून बहने लगा और नीचे गिर पड़ा। हॉस्टल में रहने वाले दूसरे स्टूडेंट्स ने बीच बचाव कर छुड़वाया। गंभीर हालत में डूंगरपुर अस्पताल में लेकर आए। आईसीयू में भर्ती कर इलाज शुरू किया। मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. बाल मुरुगन ने परिजनों को सूचना दी है।

एमबी अस्पताल में युवक की मौत, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप



24 न्यूज अपडेट

रावतभाटा के रहने वाले एक परिवार ने निम्बाहेड़ा के कुछ लोगों पर उनके भाई की हत्या का आरोप लगाया है। युवक का आज उदयपुर के एमबी अस्पताल की मोर्चरी में पोस्टमार्टम किया गया। परिजनों का कहना है कि मृतक तूफान जहां पर काम करता था उन लोगों ने कुछ लोगों के साथ मिलकर उसे पीट-पीट कर गंभीर घायल कर दिया। उसके बाद तूफान को चित्तौड़गढ़ अस्पताल में ले गए व वहां से उदयपुर लेकर आए। उनको समय रहते सूचना तक नहीं दी गई। जब वे यहां अपने भाई से मिलने आए तो वह अचेत अवस्था में था जिसकी बाद में मौत हो गई। परिजनों का कहना है कि इस मामले में मिलभगत करते हुए कई तथ्यों को छिपाने का प्रयास हो रहा है। उन्होंने पुलिस को भी रिपोर्ट दी है। तूफान बनजारा के भाई ने बताया कि हम चार भाई है जिनमें से सबसे छोटा भाई 30 वर्षीय तूफान लगभग 10-15 साल से निम्बाहेड़ा सदर थाना क्षेत्र के धीनवा गांव में बबलू उर्फ जितेन्द्र बंजारा पुत्र बंशीलाल बंजारा के यहाँ ड्राईवर का काम कर रहा था। उसका सारा खर्चा बबलू ही उठा रहा था। तूफान जब कभी मौका मिलताघर आता था। 23 नवंबर को सुबह बबलू ने तूफान के भाई ईश्वर को सूचना दी कि उसके भाई की तबीयत बहुत खराब है और तुरंत उदयपुर आ जाओ। इस पर तीनों भाई परिजनों के साथ रात को ही उदयपुर महाराणा भूपाल चिकित्सालय पहुंचे। लेकिन बबलू के साथी कालू ने तूफान से नहीं मिलने दिया। इस पर उन्होंने निम्बाहेडा थाने में रिपोर्ट दी। परिजनों ने बताया कि 14 नवंबर को बबलू और साथियों ने धीनवा की तलाई के पास उनके भाई की बेरहमी से पिटाई की थी। वो उसे मरा हुआ समझ कर पटक गए जिसे लोगों ने अस्पताल पहुंचाया। अब भाई की मौत के बाद उन्हें पुलिस कार्रवाई नहीं करने को धमकाया जा रहा हैं। परिजनों ने पुलिस से न्याय दिलाने की गुहार की।

राजस्थान में बढ़कर आएगा पानी का बिल:वाटर चार्ज समेत रेट बढ़ाने का प्रस्ताव; 15 हजार लीटर फ्री पानी की स्कीम होगी बंद



24 न्यूज अपडेट

जयपुर.राजस्थान के शहरों में पानी महंगा होगा। जलदाय विभाग ने पानी की दरें बढ़ाने के लिए प्रस्ताव तैयार किया है। इसके अलावा राज्य सरकार शहरों में 15 हजार लीटर तक फ्री पानी देने की गहलोत सरकार की योजना को बंद करने पर विचार कर रही है। जलदाय विभाग 15 हजार लीटर फ्री पानी योजना पर ब्रेक लगाने का प्रस्ताव तैयार कर उच्च स्तर पर भिजवा चुका है। अब मुख्यमंत्री स्तर पर फैसला होना बाकी है। सीएम स्तर से मंजूरी मिलने के बाद जलदाय विभाग फ्री पानी स्कीम बंद करेगा। दरअसल, कांग्रेस सरकार ने 2019 के बजट में शहरों में 15 हजार लीटर तक फ्री पानी देने की स्कीम लागू की थी। 15 हजार लीटर फ्री पानी का फायदा उन्हीं कनेक्शन पर मिल रहा है, जिनके मीटर चालू हैं। जिनके मीटर बंद हैं, उन्हें इसका फायदा नहीं मिल रहा है। जलदाय विभाग ने पहले बंद मीटर चालू करने और फिर दरें बढ़ाने का सुझाव दिया है। 2018 के बाद से नहीं बढ़ी पानी की दरें प्रदेश में पिछले 6 साल से पानी की दरें नहीं बढ़ी है। पानी की दरों में 2018 के बाद बढ़ोतरी नहीं हुई है। वसुंधरा राजे सरकार के समय 2018 में आखिरी बार दरें बढ़ी थी। जलदाय विभाग में साल 2015 से ही हर साल अपने आप 10 फीसदी दरें बढ़ने के प्रावधान था। इस प्रावधान को 2019 में गहलोत सरकार ने बदल दिया था। दरें बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी का इंतजार जलदाय विभाग अब वाटर चार्ज से लेकर स्थायी शुल्क और सीवरेज चार्ज तक में बढ़ोतरी करना चाहता है। 6 साल से बढ़ोतरी नहीं होने के कारण विभाग ने अब पुराना पैटर्न फिर से लागू करने का सुझाव दिया है। पानी की दरों में होने वाली बढ़ोतरी का पैटर्न अब तय नहीं हुआ है। वाटर चार्ज, सीवरेज चार्ज के अलावा दूसरे चार्ज में भी बढ़ोतरी का प्रस्ताव है। इस मामले में जलदाय मंत्री के स्तर पर विभाग के अफसर चर्चा कर चुके हैं। पहले उप चुनाव के कारण इसे आगे टाला गया, अब सरकार की वर्षगांठ के बाद इस पर कोई फैसला होने की संभावना है।

जलदाय विभाग के पानी कनेक्शनों के 50 प्रतिशत मीटर बंद

जलदाय विभाग के घरेलू कनेक्शनों के 50 प्रतिशत मीटर ही चल रहे हैं, आधे कनेक्शनों के मीटर ही बंद हैं। इसके कारण विभाग को नुकसान हो रहा है। मीटर बंद होने की वजह से यह पता ही नहीं लग पाता कि किसने कितना पानी काम लिया है। जलदाय विभाग के अफसरों ने यह भी सुझाव दिया है कि पानी की दरें बढ़ाने से पहले सभी कनेक्शनों पर मीटर चालू करने का अभियान चलाना चाहिए। आधे मीटर बंद होने पर दरें बढ़ाई तो विभाग को फायदा नहीं होगा।

जनजाति क्षेत्र में चल रही सीएसआर गतिविधियों की ली जानकारी, राष्ट्रीय जनजाति आयोग के चेयरमैन का उदयपुर दौरा, हिंदुस्तान जिंक के अधिकारियों से की मुलाकात



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 28 नवंबर। उदयपुर दौरे पर आए राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के चेयरमैन श्री अंतर सिंह आर्य गुरुवार को स्वरूपसागर स्थित हिंदुस्तान जिंक के कार्यालय पहुंचे जहां उन्होंने कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात कर जनजाति क्षेत्र में चल रही कंपनी की सीएसआर गतिविधियों की जानकारी ली। इस अवसर पर उन्होंने जनजाति क्षेत्र में चल रही कंपनी की सीएसआर गतिविधियों पर संतोष जाहिर करते हुए कहा कि कंपनी की गतिविधियां सराहनीय है जिससे जनजाति बाहुल्य इलाके में आमजन विशेष रूप से महिलाओं को सशक्त करने एवं रोजगार से जोड़ने के प्रशंसनीय कार्य हुए हैं। उन्होंने कहा कि ट्राइफेड से महिलाओं और उनसे जुड़े स्वंय सहायता समूहों को जोड़ें जिससे प्रचार-प्रसार एवं विपणन में महिलाओं एवं समूहों को लाभ मिले। उन्होंने कहा कि इन गतिविधियों के माध्यम से जनजाति क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य और महिलाओं को केंद्र बिंदु में रखकर कार्य किया जाए। इस दौरान हिंदुस्तान जिंक के मनीष वासुदेव ने कंपनी की व्यावसायिक गतिविधियों की जानकारी दी एवं अनुपम निधि ने सीएसआर गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारियां दी। इस अवसर पर टीएडी उपायुक्त रागिनी डामोर, जनजाति आयोग के अधिकारी, हिंदुस्तान जिंक की ओर से निष्ठा गुप्ता, हेमंत नागदा, रवि दवे आदि मौजूद रहे।

खो-खो में जनजाति खेल अकादमी खेरवाड़ा का दबदबा



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 28 नवम्बर। राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के तत्वावधान में महाराणा प्रताप खेल अकादमी खेलगांव उदयपुर में 25 से 27 नवम्बर तक आयोजित राज्य स्तरीय जनजाति खेलकूद प्रतियोगिता में खो-खो में खेरवाड़ा का दबदबा रहा। प्रशिक्षण आकाश सिसोदिया ने बताया कि प्रतियोगिता के तहत खो-खो में राजकीय जनजाति खेल अकादमी खेरवाड़ा की टीम प्रथम स्थान पर रही। वहीं अकादमी के रोहितकुमार डामोर ने एथलेटिक्स 200 मीटर दौड़ में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

शोध कार्यशाला में हो रहा है लैब विद्यालयों का तुलनात्मक अध्ययन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर 28 नवंबर। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) उदयपुर के तत्त्वावधान में योजना एवं प्रबंध प्रभाग में प्रभाग स्तरीय शोध के तहत दत्त विश्लेषण एवं प्रतिवेदन लेखन कार्यशाला में लैब विद्यालयों की गतिविधियों का अन्य विद्यालयों से तुलनात्मक अध्ययन किया जा रहा है। डाइट प्रधानाचार्य डीईओ चन्द्रशेखर जोशी के अनुसार डाइट के पीएंडएम प्रभागाध्यक्ष डॉ मृदुला तिवारी एवं प्रभारी त्रिभुवन चौबीसा के मार्गदर्शन में दत्त विश्लेषण एवं प्रतिवेदन लेखन कार्यशाला का आयोजन डाइट उदयपुर में गत सोमवार से शुरू किया गया। इसमें डाइट के चयनित लैब विद्यालयों का अन्य विद्यालयों से सीसीई, सीसीपी,एवं एबीएल गतिविधियों के संदर्भ में तुलनात्मक अध्ययन किया जा रहा है। प्रभागाध्यक्ष डॉ मृदुला तिवारी के अनुसार इस शोध अध्ययन में जिले के वल्लभनगर, बडगांव, कुराबड़,मावली व गिर्वा सहित कुल 5 ब्लॉक से 18 लैब स्कूल एवं 18 ही अन्य विद्यालयों के संस्था प्रधान, हेड टीचर तथा हिंदी पर्यावरण व अंग्रेजी गणित के विषयाध्यापकों की अभिमतावली तैयार कर दत्त संकलन किया गया। प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण कर निष्कर्ष प्राप्त किया जाएगा। शोध दल में डॉ श्रुति ओझा,श्रीमती शैलेष आर्य तथा डॉ.यशवंत आमेटा शामिल रहे।

अहमदाबाद में ऑस्ट्रेलियाई नागरिक ने लगाई 'नकली' डॉलर की फैक्ट्री, गूगल से इमेज डाउनलोड कर बनाई



24 न्यूज अपडेट

नेशनल डेस्क. अहमदाबाद। अहमदाबाद में डुप्लीकेट भारतीय करेंसी नोट बनाने के कई रैकेट सामने आए हैं। ऐसा पहली बार हुआ है कि डुप्लीकेट विदेशी करेंसी नोट बनाने के गोरखधंधे का पर्दाफाश हुआ है. एक ऑस्ट्रेलियाई नागरिक ने कर्ज से छुटकारा पाने के लिए अपने एक अन्य दोस्त की मदद से नकली फैक्ट्री स्थापित की। ऑस्ट्रेलियाई 50 डॉलर की छवि गूगल से डाउनलोड की गई। इमेज डाउनलोड होने के बाद उसे मशीन के सॉफ्टवेयर से जोड़ा गया और प्रिंट करना शुरू किया गया. नोट बनने के बाद बाजार में चलने से पहले ही एसओजी ने आरोपी को फैक्ट्री समेत गिरफ्तार कर नकली फैक्ट्री का पर्दाफाश कर दिया है.

'मेरे पास 6 हजार ऑस्ट्रेलियन डॉलर हैं'

वेजलपुर के जलतरंग बस स्टैंड के पास लाइफ स्टाइल हेयर कटिंग शॉप पर रौनक राठौड़ नाम का युवक बाल कटवाने आया था। बाल काटते समय राकेश परमार ने दुकान के मालिक को बताया कि उसके पास बड़ी मात्रा में ऑस्ट्रेलियाई डॉलर हैं और कहा कि एक ऑस्ट्रेलियाई डॉलर की कीमत भारतीय मुद्रा के अनुसार 55 रुपये है, अगर आप ऑस्ट्रेलियाई डॉलर खरीदना चाहते हैं, तो आपको भुगतान करना होगा। भारतीय मुद्रा के अनुसार 40 रुपये. उन्होंने कहा कि उनके पास फिलहाल 6 हजार ऑस्ट्रेलियाई डॉलर हैं और यह भी कहा कि अगला कल आएगा. आरोपी के दोस्त के पास 1 लाख डॉलर होने की बात स्वीकार करने के बाद राकेश परमार को डॉलर बेचकर पैसे कमाने का लालच आया, लेकिन रोनक को भी शक था. राकेश ने इसकी सूचना अपने दोस्त को दी जिसने उसे एसओजी से संपर्क करने के लिए कहा। राकेश ने तुरंत एसओजी को पूरी सच्चाई बता दी कि एसओजी टीम ने रोनक के पास रखे ऑस्ट्रेलियाई डॉलर को जब्त करने की योजना बनाई। एसओजी की टीम तुरंत हेयर सैलून की दुकान पर पहुंच गई और निगरानी करने लगी. तभी रोनक वहां पहुंचा और एसओजी ने रोनक को ऑस्ट्रेलियन डॉलर के साथ घेर लिया। हिरासत में लेने के बाद उन्हें हेड ऑफिस ले जाया गया और पूछताछ की गई. जहां उन्होंने कबूल किया कि उनके दोस्त खुश पटेल के पास एक लाख ऑस्ट्रेलियाई डॉलर हैं. गोदाम में चेकिंग के दौरान एसओजी के पैरों तले से जमीन खिसक गई खुश ने रोनक से बात की और रोनन को ऑस्ट्रेलियन डॉलर मार्केट पार करने के लिए 35 रुपए में एक डॉलर दिया। खुश से मिले डॉलर को रौनक बाजार में 40 रुपये में बेचा जाना था. एसओजी को रोनक के पास से 50 डॉलर के 119 नोट मिले। जिसके बाद एसओजी ने खुश पटेल को भी गिरफ्तार कर लिया और उससे पूछताछ की तो उसने कबूल किया कि गांधीनगर निवासी और ऑस्ट्रेलियाई नागरिकता वाले मौलिक पटेल ने उसे 50 डॉलर का एक बंडल दिया था और इसे बाजार में बेचने के लिए कहा था. मौलिक के पास वटवा में प्लैटिनम एस्टेट में एक शेड है। इसकी जानकारी होने पर एसओजी टीम खुश पटेल और रौनक को लेकर मौलिक के गोदाम पर पहुंची, जहां ध्रुव देसाई नाम का युवक भी मिला। गोदाम ध्रुव देसाई के नाम पर था और मौलिक उसके साथ काम करता था। आरोपियों ने गोदाम में नोट छापने का डेमो दिखाया। मौलिक और ध्रुव देसाई अलग-अलग सीरियल नंबर के साथ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर प्रिंट करते थे और बाद में उन्हें बाजार में खुश और रौनक जैसे युवाओं को बेचते थे। एसओजी ने नकली ऑस्ट्रेलियाई डॉलर नोट छापने में इस्तेमाल होने वाली प्लास्टिक सीटें, प्रिंटर, स्याही, पेन ड्राइव सहित सामान जब्त किया। चारों लोगों ने इस बात की भी जांच शुरू कर दी कि ऑस्ट्रेलियाई डॉलर कहां चलाएग गए।

कर्ज में था इसलिए ऑस्ट्रेलियाई डॉलर छापना शुरू कर दिया

मौलिक पटेल के पास ऑस्ट्रेलियाई नागरिकता है और व्यापार में घाटा होने के कारण वह कर्ज में डूब गए। मौलिक पटेल ने शॉर्टकट के माध्यम से पैसा कमाने के लिए नकली ऑस्ट्रेलियाई डॉलर बनाने की योजना बनाई थी और इसे भारत में चलाने का फैसला किया था। मौलिक ने अपने दोस्त ध्रुव देसाई से बात की और वह पिछले अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया से अहमदाबाद आए। दोनों ने गांधीनगर से नोट छापने की मशीन खरीदी और बाद में अपना खुद का बिजनेस शुरू किया। मौलिक और ध्रुव देसाई ने मशीन खरीदने के बाद गूगल से ऑस्ट्रेलियन डॉलर इमेज डाउनलोड करके आरओएम मटेरियल भी खरीदा। मशीन के सॉफ्टवेयर के मुताबिक, मौलिक पटेल ने गूगल से 50 डॉलर की ऑस्ट्रेलियन डॉलर वाली इमेज डाउनलोड की।इमेज डाउनलोड होने के बाद इसे मशीन के सॉफ्टवेयर से कनेक्ट किया गया और बाद में प्रिंट करना शुरू किया गया. नोट का उत्पादन पूरा होने के बाद इसे बाजार में बेचने के लिए खुश पटेल को दिया गया।

कसाई प्रेमी ने प्रेमिका के 50 टुकड़े किए, जंगल में कुत्ते को शरीर के अंग खाते मिले तो हुआ खुलासा



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, नेशनल डेस्क। झारखंड के खूंटी में खौफनाक घटना सामने आई।. प्रेमी ने प्रेमिका को 50 टुकड़ों में काटकर फेंक दिया। मामला तब खुला जब कुत्ता बच्ची के शरीर का कुछ हिस्सा खा रहा था। ग्रामीणों ने देखा तो पुलिस को सूचना दी। प्रेमी ने हत्या इसलिए की क्योंकि प्रेमिका उसके किसी दूसरी लड़की से रिश्ते का विरोध कर रही थी। पुलिस के मुताबिक हत्या से पहले प्रेमी का लड़की से संबंध था। उसने दुपट्टे से गला घोंट दिया। मौत के बाद उसने शव को 50 टुकड़ों में काटकर घर से 500 मीटर दूर जंगल में फेंक दिया। पुलिस को बच्ची का सिर, दो हाथों की हड्डियां और बाल मिले हैं। आरोपी प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया गया है। खूंटी के जरियागढ़ थाना क्षेत्र के भगवान पंज टोंगरी की घटना हैं। पुलिस को 24 नवंबर को लड़की के शरीर के कुछ हिस्से, उसका फटा हुआ आधार कार्ड और बैंक पासबुक मिला। इसके बाद लड़की की पहचान हुई। गांव वालों से पूछताछ शुरू की तो लड़की के प्रेमी के बारे में पता चला। 26 नवंबर को जब पुलिस ने प्रेमी से सख्ती से पूछताछ की तो उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया और पूरी घटना बता दी। आरोपी नरेश भांगड़ा ने पुलिस को बताया कि वह अपनी प्रेमिका गंगी के अलावा एक अन्य लड़की के संपर्क में आया था. इसकी जानकारी जब प्रेमिका को हुई तो वह युवक के पास पहुंच गई। प्रेमिका ने कहा- 'जब तुम दूसरी लड़की के साथ रह रहे हो तो मुझे अपने गांव मालगो चलने दो। मैंने जो पैसा दिया था, वह भी मुझे लौटा दो।' इसी बात को लेकर दोनों के बीच झगड़ा हुआ और आरोपी ने प्रेमिका की हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार आरोपी नरेश भेंगरा को गिरफ्तार कर लिया गया है. वह बेंगलुरु में एक चिकन शॉप में काम करता था। वह वहां मुर्गियां काटा करता था इसलिए शरीर के टुकड़े-टुकड़े करने में कोई झिझक नहीं हुई। मृतक की पहचान लापुंग के मालगो जतरा टोली निवासी गंगी कुमारी (24) के रूप में की गई है। नरेश के मामा का घर लड़की के गांव में था। जब वह अपने चाचा के घर गई तो गंगी और नरेश के बीच प्यार हो गया। डेढ़ साल साथ रहने के बाद, गंगी काम के लिए त्रिपुरा, तमिलनाडु चली गई और नरेश बेंगलुरु में काम करने लगा। इसी बीच नरेश का किसी दूसरी लड़की से प्रेम प्रसंग हो गया. दोनों का एक बेटा भी है।

छह नवंबर को नरेश गंगी को लेकर हटिया स्टेशन पहुंचा

मामले की जानकारी गंगी को मिली तो वह बेंगलुरु आ गयी. छह नवंबर को नरेश गंगी को लेकर हटिया स्टेशन आया. वहां से 8 नवंबर की शाम को गंगी के साथ जोजोदाग के लिए निकला। लेकिन गंगी को गांव के पास भगवान पंज टोंगरी के पास ले गया और वहां उसके साथ शारीरिक संबंध बनाये। जब गंगी ने उससे अपने पैसे वापस मांगे, तो दोनों में बहस हो गईं नरेश ने गंगी का दुपट्टे से गला घोंटकर हत्या कर दी और शव के टुकड़े-टुकड़े कर उसे दफना दिया. एसडीपीओ ने बताया कि पुलिस ने घटनास्थल से लड़की की हत्या में प्रयुक्त कुल्हाड़ी बरामद कर ली है।

भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष के आफिस पर इनकम टेक्स की रेड



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, बांसवाडा। ट्रांसपोर्ट कंपनी के जयपुर सहित देशभर के 23 ठिकानों पर मंगलवार सुबह से इनकम टेक्स डिपार्टमेंट की रेड हुई है। उदयपुर में गोल्डन एंड लॉजिस्टिक ट्रांसपोर्ट के ऑफिस और इससे जुड़े लोगों के व्यवसाय व घरों पर सुबह 5 बजे ही टीमें पहुंच गई। जयपुर के विश्वकर्मा इलाके में कार्रवाई की गई। उदयपुर के टीकम सिंह राव पर कंपनी के माध्यम से अवैध माल परिवहन ट्रांसपोर्टेशन का आरोप है। रेड राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र में डाली गई है। गुजरात में 2 जगहों, मुंबई में एक, बांसवाड़ा में तीन, जयपुर (विश्वकर्मा इंडस्ट्रियल एरिया) में एक और उदयपुर में 16 ठिकानों पर टीमें जांच कर रही हैं। इधर, बांसवाड़ा के कॉमर्शियल कॉलोनी स्थित ऑफिस में टीम पहुंची है। इस ऑफिस से संबंधित काम भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष गोविंद सिंह राव देखते हैं। गोविंद सिंह राव का मुख्य व्यवसाय ट्रांसपोर्ट का है। जैसे ही सुबह अधिकारियों सहित टीम की गाड़ियां ऑफिस के बाहर पहुंची लोगों की भीड़ जमा हो गई। उदयपुर में राव के भाइयों का बड़ा ट्रांसपोर्ट का व्यवसाय है।



सर्दी में 10 बजे बच्चे जाएंगे स्कूल, राजस्थान में सभी स्कूलों को लागू करना होगा समय चक्र, नहीं मानने पर मान्यता रद्द होगी



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शिक्षा विभाग की ओर से आदेश जारी किया गया है। इसमें राजस्थान के सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूल (राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से संबद्ध) को एक ही समय चक्र में संचालित करने के आदेश दिए हैं। सभी स्कूल एक साथ शुरू होंगे और एक ही समय पर सबकी छुट्टी होगी। अगर कोई आदेशों की अवहेलना करेगा, तो कार्रवाई की जाएगी। मान्यता रद्द की जा सकती है। माध्यमिक शिक्षा निदेशक आशीष मोदी ने बुधवार देर रात करीब 10 बजे यह आदेश जारी किए गए हैं। माध्यमिक शिक्षा निदेशक की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि सर्दी के समय में एकल पारी स्कूल सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक ही चलेंगे। इसके अलावा दो पारी वाले स्कूल सुबह साढ़े 7 से शाम साढ़े 5 बजे तक चलेंगे। दो पारी वाले स्कूल की प्रत्येक पारी सर्दी में 5 घंटे की ही रहेगी। गर्मी में सभी एक पारी के स्कूल सुबह साढ़े 7 से दोपहर 1 बजे तक संचालित होंगे। दो पारी वाले स्कूल सुबह 7 से शाम 6 बजे तक संचालित होंगे। दो पारी वाले स्कूलों में गर्मी में प्रत्येक पारी साढ़े 5 घंटे की होगी। दो पारी वाले स्कूलों में सर्दी में आधा घंटे कम पढ़ाई होगी। बताया गया कि विभाग के ध्यान में आया है कि राज्य में संचालित गैर सरकारी स्कूल शिविरा (शैक्षणिक) कैलेंडर को पूरी तरह पालन नहीं कर रहे हैं। सर्दी बढ़ने के बाद भी स्कूलों का संचालन सुबह जल्दी किया जा रहा है। इससे स्टूडेंट्स के स्वास्थ्य पर असर पड़ रहा है। अगर कोई प्राइवेट स्कूल कैलेंडर का पालन नहीं करता है तो संबंधित स्कूल के खिलाफ राजस्थान गैर सरकारी शैक्षिक संस्था अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी। स्कूलों की मान्यता व क्रमोन्नति भी रद्द की जा सकती है।

सीबीएसई स्कूलों का क्या होगा

डायरेक्टर के आदेश के बाद ये स्पष्ट नहीं हुआ है कि ये आदेश सीबीएसई स्कूल पर लागू होगा या नहीं। सभी सीबीएसई स्कूल अपने स्तर पर अलग से समय तय करते हैं। शिक्षा विभाग एनओसी देते हुए शर्त रखता है कि शैक्षणिक कैलेंडर का पालन करना होगा। शिक्षा विभागीय कर्मचारी संघ के प्रदेश संरक्षक राजेश व्यास का कहना है कि राज्य के सभी स्कूल में समान समय होना चाहिए। सर्दी सभी को लगती है। ऐसे में सुबह 7-8 बजे के बजाय 10 बजे से एकल पारी स्कूल शुरू होने चाहिए।

सरकारी स्कूल की दीवार गिरी, 3 की मौतः1 गंभीर घायल; पुरानी दीवार के पास नींव के लिए खोदे गड्ढे में कर रहे थे काम



24 न्यूज अपडेट

जालोर. जालोर जिले में सरकारी स्कूल की दीवार गिरने से 3 लोगों की मौत हो गई। 1 गंभीर घायल को अस्पताल पहुंचाया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हादसा सायला थाना इलाके में पोषाणा गांव में हुआ।

मिट्टी समतल करने का काम कर रहे थे

थानाधिकारी महेंद्र सिंह ने बताया- पोषाणा गांव की राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल में भवन निर्माण का काम चल रहा था। यहां गुरुवार सुबह पुरानी चारदीवारी के पास जेसीबी से 4 फीट की नींव (गड्ढा) खोदी गई थी। मिट्टी समतल करने के लिए 7 मजदूर काम कर रहे थे।

सुबह करीब 9 बजे 4 मजदूर नींव में उतरकर मिट्टी समतल करने का काम कर रहे थे, जबकि 3 मजदूर बाहर से मिट्टी हटा रहे थे। इसी दौरान स्कूल की 10 फीट ऊंची पुरानी दीवार के नीचे से मिट्टी ढह गई और दीवार गिर गई। नींव में उतरे चारों मजदूर मलबे में दब गए। मौके पर मौजूद लोगों ने मजदूरों को बाहर निकालने के लिए मलबे को हटाने का काम शुरू किया।

3 की मौके पर मौत, 1 गंभीर घायल

थानाधिकारी ने बताया- सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों के सहयोग से सभी को बाहर निकाला। मलबे में दबने से मोहनलाल (23) पुत्र रतनाराम निवासी लाल डूंगरी, सरवाणा (जालोर), विरमाराम (40) पुत्र चेनाराम निवासी कगाऊ (बाड़मेर) और भैराराम (40) पुत्र भूराराम राव निवासी धनाऊ (बाड़मेर) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि जगदीश पुत्र भूराराम निवासी बाड़मेर को गंभीर हालत में सायला के प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

महेंद्र सिंह ने बताया- तीनों मजदूरों के शवों को सायला के सरकारी अस्पताल की अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया गया है। परिजनों के पहुंचने पर पोस्टमॉर्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा। सायला तहसीलदार लक्ष्मी चौधरी और पुलिस टीम ने घटनास्थल का मुआयना किया है।

बांसवाड़ा में लोमड़ी ने 10 साल के बच्चे का मुंह, जबड़ा नोच लिया, मां पर हमला किया, पड़ोसी की अंगुली चबाई



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. बांसवाड़ा। घर में घुसी जंगली लोमड़ी ने चारपाई पर सो रहे 10 साल के बच्चे पर हमला कर दिया। चीख सुन मां दौड़कर आई तो उन पर झपट्टा मार दिया। चिल्लाने की आवाज सुन पड़ोसी बचाने आया तो उसे भी नोच कर गिरा दिया। जंगल की ओर भागी तो रास्ते में अलाव तापते दंपती पर हमला कर दिया।घटना गुरुवार सुबह 7 बजे बांसवाड़ा के कुशलगढ़ इलाके के गांव खारचिया में हुई। लोगो ंने बताया कि सज्जनगढ़ और कुशलगढ़ के नॉन कमांड एरिया में जंगल है जहां पर यह घटना हुई। गुरुवार सुबह 6.30 बजे जीवनलाल (38) के घर से चिल्लाने की आवाज आई। जीवनलाल खेत पर गया हुआ था। पत्नी गवरा देवी (36) और 10 साल का बेटा गोपीलाल पास था। मुख्य दरवाजा खुला था। तभी अचानक घर में जंगली लोमड़ी घुस गई। उसने कमरे में घुसकर चारपाई पर सो रहे बच्चे पर हमला कर दिया। लोमड़ी ने गोपीलाल के पैर, मुंह, जबड़े को नोच खाया। बच्चा चिल्लाया तो मां गवरा देवी कमरे में दौड कर आई। लोमड़ी ने गवरा देवी के पैर पर हमला कर दिया और घर से भागी। शोर-शराबा सुन पड़ोस के लोग दौड़कर आए व शोर मचाया तो लोगों को देख लोमड़ी दूसरे रास्ते पर भागी। मेघनाथ वसुनिया ने बताया- दूसरे रास्ते से छोटा भाई छोटूराम (21) आ रहा था। लोमड़ी ने मेरे छोटे भाई पर भी हमला किया और उसके हाथ-पैर को नोच लिया। हमले में छोटे भाई की एक उंगली लोमड़ी पूरी तरह चबा गई। इसके बाद वह भागकर कपास के खेत में चली गई। कपास के खेत के पास ही हरि पुत्र लिंबा अपनी पत्नी के साथ बैठकर अलाव ताप रहा था। लोमड़ी ने उन पर भी हमला किया। उनके हाथों पर हल्की खरोंच आई। लोमड़ी के हमले से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। हमले में घायल हुए पांचों लोगों को एंबुलेंस से छोटी सरवा हॉस्पिटल ले जाया गया। वहां से उन्हें कुशलगढ़ हॉस्पिटल रेफर कर दिया। हमले में गंभीर घायल गोपीलाल, गवरा देवी और छोटूराम को बांसवाड़ा के महात्मा गांधी (एमजी) हॉस्पिटल रेफर किया गया है। जिले में 4 हजार से ज्यादा लोमड़ी है। लोमड़ी के हमले में घायल को 25 से 50 हजार रुपए का प्रावधान है। स्थायी घायल यानी जिसने हमले में कोई अंग खो दिया हो उसे 3 लाख तक का मुआवजा मिलता है। इसके अलावा मौत होने पर 5 लाख का मुआवजा दिया जाता है।

राजस्थान में तीन दिन कोहरे का अलर्ट हवा के कारण सर्दी बढ़ी, शेखावाटी में तापमान 10 डिग्री से नीचे आया



24 न्यूज अपडेट

राजस्थान में तापमान में उतार-चढ़ाव का दौर बना हुआ है। कल राज्य के अधिकांश शहरों में तापमान में गिरावट हुई। इससे रात में सर्दी बढ़ गई। शेखावाटी एरिया में रात का तापमान फिर से सिंगल डिजिट में आ गया।

मौसम विज्ञान केन्द्र जयपुर ने राज्य के उत्तरी जिलों में 29 नवंबर तक कोहरा भी छाने की संभावना जताई है। पिछले 24 घंटे में राज्य में सबसे ज्यादा तापमान 32.6 डिग्री बाड़मेर और 32 डिग्री सेल्सियस जैसलमेर में दर्ज हुआ।

जालोर में 31.9, जोधपुर 31.4, बीकानेर में 30.2 और भीलवाड़ा में 30.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। जयपुर में आज दिन में अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

जयपुर में रात के तापमान में गिरावट

पश्चिमी राजस्थान के जिलों में तापमान दिन में भले ही बढ़कर 32 डिग्री सेल्सियस से ऊपर चले गए हो, लेकिन अब शेखावाटी के जिलों में वापस उत्तरी हवा चलनी शुरू हो गई। जिससे रात के तापमान में गिरावट दर्ज हुई।

सीकर में कल रात न्यूनतम तापमान करीब 2.5 डिग्री गिरकर 8.5 डिग्री सेल्सियस पर दर्ज हुआ। चूरू में भी न्यूनतम तापमान 9.9 डिग्री सेल्सियस और फतेहपुर में 8.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। जयपुर में भी न्यूनतम तापमान 2 डिग्री गिरकर 13.5 डिग्री सेल्सियस पर दर्ज हुआ।

सिन्धी समाज के लिए राज्य सरकार का तोहफा, सिन्धु दर्शन यात्रा के लिए मिलेगी 15 हजार रूपए की आर्थिक सहायता

24 न्यूज अपडेट

जयपुर, 27 नवम्बर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी के आग्रह पर मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा ने सिन्धी समाज को बड़ा तोहफा दिया है। राज्य सरकार ने सिन्धी समाज की सबसे बड़ी और पवित्र मानी जाने वाली लेह-लद्दाख सिन्धु दर्शन यात्रा पर जाने वाले तीर्थयात्रियों को 15 हजार रूपए प्रति व्यक्ति आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। सिन्धु दर्शन यात्रा में चार दिन तक लेह-लद्दाख में धार्मिक व सांस्कृतिक आयोजन होते हैं तथा यह यात्रा 18 जून से शुरू होकर 30 जून को समाप्त होती है। सिन्धी समाज के तीर्थयात्री हर साल 23 से 26 जून तक लेह-लद्दाख में सिन्धु दर्शन यात्रा पर जाते हैं। यह यात्रा 18 जून से जम्मू एवं कुरूक्षेत्र से प्रारम्भ होती है तथा 30 जून को इसका अधिकारिक समापन होता है। विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी ने पिछले दिनों मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा से आग्रह किया था कि सिन्धु दर्शन तीर्थ यात्रा पर जाने वाले तीर्थ यात्रियों को भी अन्य तीर्थ यात्राओं की तरह आर्थिक सहायता दी जाए। इस पर निर्णय करते हुए राज्य सरकार ने तीर्थ यात्रियों के लिए 15 हजार रूपए प्रति यात्री की आर्थिक सहायता की घोषणा की है।

गौरतलब है कि वर्ष 1997 में भारत रत्न एवं पूर्व उप प्रधानमंत्री श्री लाल कृष्ण आडवाणी ने सिन्धु दर्शन यात्रा की शुरूआत की थी। प्रतिवर्ष यह यात्रा 23 से 26 जून तक लेह-लद्दाख में आयोजित की जाती है। इसमें बड़ी संख्या में सिंधी धर्मावलम्बी भाग लेते हैं। वेद, शास्त्र एवं धार्मिक मान्यताओं में सिन्धु नदी का बड़ा महत्व है। लगभग सभी ग्रन्थों में सिन्धु नदी का उल्लेख मिलता है। इसके साथ ही भारतीय राष्ट्रगान में भी सिन्धु नदी का उल्लेख है। सिन्धी समाज में भी ईष्ट देव श्री झूलेलाल जी के अवतार का जल से संबंध है। ऐसे में यह यात्रा सिन्धी धर्मावलम्बियों के लिए बड़ी पवित्र मानी जाती है। प्रतिवर्ष देश के लगभग 25 राज्यों से सिन्धी धर्मावलम्बी इस पवित्र यात्रा पर जाते हैं। यह यात्रा जम्मू एवं कुरूक्षेत्र से प्रारम्भ होती है एवं लगभग 12 दिन चलती है। यात्रा में लेह-लद्दाख में विशिष्ट धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन होते हैं।

अवैध गीली लकड़ी का परिवहन करते 2 ट्रक जब्त



24 न्यूज अपडेट

सलूम्बर । जिले की झल्लारा थाना पुलिस ने अवैध गिली लकडी से भरे दो ट्रक को जब्त किया हैं। थानाधिकारी धमेन्द्र सिंह वाघेला ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत थाने के सामने गुरूवार अल सुबह नाकाबंदी की गई। इस दौरान 2 ट्रक जिन पर काले तिरपाल ढके हुए थे। उनको आता देख पुलिसकर्मियों ने दोनों ट्रक को रुकवा और दोनो ट्रको के तिरपाल हटाकर देखा तो अवैध गिली लकडी भरी हुई थी। इस पर परिवहन संबंधित वैद्य दस्तावेजो के बारे मे दोनो चालको से पूछताछ की गई लेकिन कोई भी वैद्य कागजात नही बता पाया। इस पर गिली लकडी से भरे दोनों ट्रक को जब्त कर अग्रिम कार्यवाही के लिए वन विभाग को सूचित किया।



24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।